राज्यपाल जहाजपुर में पंचकल्याणक महोत्सव में पहुंचे

अहिंसा जैन समुदाय को मूल सिद्धांत – राज्यपाल

जयपुर, 1 फरवरी। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र शनिवार को जहाजपुर में चल रहे भव्य श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक महोत्सव में पहुंचे और सम्बोधित किया। राज्यपाल श्री मिश्र का स्वागत पंचकल्याणक महोत्सव समिति के अध्यक्ष श्री विनोद जैन कोटा, महामंत्री श्री ज्ञानेंद्र कुमार जैन जहाजपुर, मुख्य संयोजक श्री विजय जैन लुहाड़िया सहित समस्त कार्यकारिणी ने किया।

राज्यपाल श्री मिश्र ने विराजमान मुनि संघ से आशीर्वाद लिया। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा है कि अहिंसा जैन समुदाय का मूल सिद्धांत है। किसान का कल्याण कैसे हो, व्यापार कैसे उन्नत हो,युवा वर्ग कैसे आगे बढ़े,सबकी चिंता जैन तीर्थंकर ने की है। तीर्थंकर ने अपनी शक्ति का दुरुपयोग कभी नही किया। क्रोध, चोरी नहीं करना, विवेक सत्य से कार्य करना जैन सम्प्रदाय के सिद्धांत है।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि आचार्य श्री ज्ञान सागर जी की इच्छा के अनुरूप जहाजपुर क्षेत्र जल्द आध्यात्मिक पर्यटन स्थल बनेगा। केंद्र और राज्य सरकार से इसके लिए किया जायेगा। आर्यिका माँ स्वस्ति भूषण माताजी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस महोत्सव में पाषाण की प्रतिमा बनेगी। जो सदियों तक जन जन का कल्याण करेगी। उन्होंने भूगर्भ से निकाली श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रभु की प्रतिमा के अतिश्यो से राज्यपाल को अवगत कराया और कहा कि बड़ी हस्तियों के आने से आयोजन विशाल हो जाता है। समिति के प्रचार सह संयोजक नरेश कासलीवाल व चेतन जैन ने बताया कि आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज ने अपने मांगलिक प्रवचन में कहा कि भारतीय संस्कृति तनाव मुक्त जीवन की संस्कृति रही हैं। इस देश ने विश्व को अहिंसा और शाकाहार दिया है। संचालन भानु जैन जहाजपुर ने किया। श्री गोपीचंद मीणा विधायक, सुरेशचंद जैन कुलपति तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय मुरादाबाद समारोह में मौजूद थे।

राज्यपाल ने एन.सी.सी. कैडेटेस की प्रस्तुतियां देखी

जयपुर, 01 फरवरी। नई दिल्ली में आयोजित गणतन्त्र दिवस परेड में भाग लेकर आये राजस्थान के एन.सी.सी. कैडेटस ने राज्यपाल श्री कलराज मिश्र व राज्य की प्रथम महिला श्रीमती सत्यवती मिश्र के समक्ष अपनी श्रेष्ठ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा कि युवाओं को अनुशसन और संगठित देखकर मन उल्लासित हो रहा है। यह संगठन देश के युवाओं में देश भक्ति की भावना पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वाकई यह एक ऐसा संगठन है, जिसमें स्कूल, कॉलेजों के छात्र–छात्राओं को कैडेट बनाकर थलसेना, नौसेना तथा वायुसेना का प्रशिक्षण दिया जाता है। इस संगठन को राष्ट्र के युवा वर्ग को अनुशासन, देश भक्ति और नेतृत्व की शिक्षा देनी होगी।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि युवा चाहे कोई भी कैरियर अपनाएं, उन्हें ईमानदारी और निष्ठा से राष्ट्र की सेवा करनी है। राष्ट्रीय कैडेट कोर को ऐसा वातावरण बनाना है, जो युवा भारत को सशस्त्र सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित कर सकें। एनसीसी संगठन को अपने आदर्श वाक्य ''एकता और अनुशासन'' पर चलना है। कैडेटों को एकता तथा अनुशासन का पाठ पढ़ाना है। समाज, प्रदेश और देश के लिए कार्य करना है। राज भवन में शनिवार को एन.सी.सी. कैडेटस ने सामूहिक नृत्य और बैण्ड–वादन प्रस्तुत किये। राज्यपाल ने सभी कैडेटस के प्रदर्शन की सराहना की और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने एन.सी.सी. कैडेटस के साथ समूह चित्र खिंचवाया। इस मौके पर उच्च शिक्षा सचिव श्रीमती सुची शर्मा, एयर कमोडोर श्री आर कुमार स्वामी और राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी श्री गोविन्द राम जायसवाल भी मौजूद थे।

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
सहायक निदेशक(जनसम्पर्क)
राज्यपाल, राजस्थान